A–600

Total Pages : 2 **Roll No. .....**

MAJY–507

पंचांग एवं मुहूर्त–02

एम. ए. ज्योतिष (MAJY)

द्वितीय सेमेस्टर, सत्र 2024 (June)

समय : 2:00 घंटा पूर्णांक : 70

नोट : – यह प्रश्न-पत्र सत्तर (70) अंकों का है, जो दो (02) खण्डों 'क' तथा 'ख' में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। ***परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर-पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।***

खण्ड–क

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न) 2×19=38

नोट : – खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **दो** (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. पंचांग के **पाँच** अंगों का परिचय देते हुए वर्तमान काल में पंचांग का महत्व प्रतिपादित कीजिए।

2. विवाह संस्कार का विस्तृत वर्णन करें।

3. प्रमुख मुहूर्त ग्रन्थों का परिचय देते हुए मुहूर्तों की वर्तमान काल में प्रासङ्गिकता पर निबन्ध लिखें।

4. षोडश संस्कारों का परिचय देते हुए गर्भधान और विवाह मुहूर्त पर विस्तृत निबन्ध लिखें।

5. श्राद्ध के महत्व को रेखांकित करते हुए वर्तमान काल में इसकी आवश्यकता पर निबन्ध लिखें।

खण्ड–ख

(लघु उत्तरीय प्रश्न) 4×8=32

नोट : – खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **चार** (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. नक्षत्र निर्णय पर टिप्पणी लिखें।

2. संस्कार की आवश्यकता पर प्रकाश डालें।

3. एकादशी से पूर्णिमा तिथि परक निर्णय पर टिप्पणी लिखें।

4. वधूप्रवेश मुहूर्त पर टिप्पणी लिखें।

5. गृहप्रवेश मुहुर्त पर टिप्पणी लिखें।

6. चूड़ाकर्म मुहूर्त पर टिप्पणी लिखें।

7. द्विरागमन मुहूर्त का अर्थ सहित लेखन कीजिए।

8. अक्षरारम्भ मुहूर्त का परिचय दीजिए।

****